# उत्तराखंड तकनीकी विवि में स्टार्टअप ईको सिस्टम कार्यशाला आयोजित

## यूटीयू आई-हब के माध्यम से स्टार्टअप को छात्रों को मिलेगा हरसम्भव सहयोग: कुलपति

उत्तर उजाला ब्यूरो

**देहरादून।** वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) एवं डिकोड प्रो.सॉफटवेयर्स देहरादून के तत्वाधान में आज दिनांक 15 फरवरी, 2025 को स्टार्टअप ईको सिस्टम पर एक दिवसीय सत्र मार्ग 1.0 का आयोजन किया गया किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रो.वीके तिवारी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर दीप प्रज्वलित करते हुए वर्कशॉप का शुभारम्भ किया गया। प्रो. तिवारी ने कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि कक्षाओं में अध्ययन के अलावा अतिरिक्त समय में भविष्य की योजनाओं का रोडमैप भी तैयार किया जाना जरूरी है। प्रो. तिवारी ने छात्र-छात्राओं को स्टार्टअप के महत्व के बारे में जानकारी दी। सत्र के दौरान छात्रों से प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और अपनी स्टार्टअप संबंधी समस्याओं को विशेषज्ञों के सम्मुख रख कर समाधान ढूंढने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में राहुल रावत फाउण्डर एण्ड सीईओ-दिगान्तर रिसर्च एण्ड टैक्नोलॉजी, बैंगलोर जो कि ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए और स्टार्टअप के क्षेत्र में अपने विचार अनुभव छात्रों से साझा किये। वहीं रौविन नागर फाउण्डर एण्ड सीईओ-वैली कल्चर इण्डिया देहरादून ने कार्यक्रम में शामिल होकर छात्रों के बीच अपने वास्तविक जीवन में आयी विभिन्न समस्याओं के बारे में बताया और फिर उन समस्स्याओं से निपटने के समाधान स्टार्टअप के माध्यम से ढूंढने के तरीके छात्र-छात्राओं से साझा किये।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओंकार सिंह ने भी छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्टार्टअप के माध्यम से अपने भविष्य की कार्ययोजना पर काम करें। उन्होंने छात्रों को स्टार्टअप, इनोवेशन और रिसर्च पर कार्य करने को प्रोत्साहित किया और विश्वविद्यालय की तरफ से स्टार्टअप हेतु यू.टी.यू.आई-हब के माध्यम से हर सम्भव सहयोग प्रदान किये जाने का आश्वासन दिया गया।कार्यक्रम को आयोजित कराने में दीपक राजपूत, रोशनी मोंगा फाउण्डर्स डिकोड प्रो. सॉफटवेयर्स देहरादून, महिला प्रौद्योगिकी संस्थान निदेशक डा. मनोज कुमार पाण्डा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. वीके पटेल, डा. विशाल रमोला, डा. रश्मि सैनी और विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।